

श्री श्याम बिहारी जी की आरती । By Liyaqat Ali ।

श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे,
बाबा के चरणों में शीश नवाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

चन्दन अगर कपूर की बाती,
प्रेम से कंचन थाल सजाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

शंख मृदंग घड़ियाल बजे,
प्रांजर की झंकार सुनाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

स्वर्ण कलश तीर चक्र विराजे,
आज उमंगों के दीप जलाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

मोर मुकुट गले मोतियों माला,
रेशम की डोरी से झूला झुलाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

केसर तिलक केसरिया बागो,
मोदक श्रीफक भेंट चढ़ाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

ऊँची अटरिया पे श्याम विराजे,
श्याम सलोने के चंवर डुलाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

सेवक जन सब शरण तुम्हारी,
डूबती नैया को पार लगाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे,
बाबा के चरणों में शीश नवाओ रे ।
श्याम बिहारी जी की आरती गाओ रे ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%b0/>